



# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बैंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



**5** हॉकी स्टार मनप्रीत सिंह ने फिटनेस को दिया श्रेय

**6** आखिरी आदमी की सांसों में बसा कर्मयोद्धा नेता

**7** 'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

## फ़ास्ट टैक

**यूरोपीय यूनियन ने रूस से संपर्क करने की कोशिश की**  
ब्रसेल्स/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस से संपर्क स्थापित करने की शुरुआती कोशिश की है, ताकि अगर यूक्रेन में युद्ध खत्म करने के लिए कोई बातचीत हो तो यूरोप को उससे बाहर न रखा जाए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस संघर्ष के बीच ईयू रूस के साथ फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश कर रहा है, जबकि वह यूक्रेन को अपना पूरा समर्थन भी दे रहा है। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोप और यूक्रेन को किनारे रखकर केवल अमेरिका के साथ यूक्रेन के भविष्य पर बातचीत करने की कोशिश की है।

**सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे ओडिशा के मंत्री मुकेश महालिंग**  
क्याङ्गर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग बृहस्पतिवार को उस समय बाल-बाल बच गए, जब उनकी कार क्याङ्गर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर उनके कारफिले के पायलट वाहन से टकरा गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना तेलकोई थाना क्षेत्र के जगमोहन चौराहे के पास उस समय हुई, जब मंत्री संबलपुर से मयूरभंज जा रहे थे। वह शुक्रवार को रायचंगपुर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि मंत्री के कारफिले की पायलट कार ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे उसके ठीक पीछे चल रहा महालिंग का वाहन उससे टकरा गया।

**रणथंभौर एक्सप्रेस के ब्रेक जाम होने से पहियों से धुआं निकला**  
इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में बृहस्पतिवार को इंदौर-जोधपुर रणथंभौर एक्सप्रेस के जनरल कोच के पहियों के ब्रेक जाम होने से घर्षण के कारण धुआं निकला और रेलवे कर्मचारियों ने अग्निशामक यंत्र की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना के दौरान ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित रहे। घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं। इनमें ट्रेन के पहियों से गहरा सफेद धुआं निकलता दिखाई दे रहा है और अफरा-तफरी के बीच यात्री ट्रेन से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह घटना कोटा मंडल के तहत आने वाले क्षेत्र में लूनी रिहा स्टेशन के पास हुई। उन्होंने कहा, इंदौर-जोधपुर रणथंभौर एक्सप्रेस (12465) के जनरल कोच के पहियों का 'ब्रेक ब्लॉक' जाम हो जाने से घर्षण के कारण धुआं निकला। यह आग लगने की घटना नहीं थी।

## दुनिया के लिए 'भरोसेमंद साझेदार' के तौर पर उभर रहा भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

**पेरिस/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है और इस बात पर जोर दिया कि देश ऐसे क्षेत्रों में निवेश कर रहा है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रगति, नवाचार और अवसरों को बढ़ाएंगे।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतवर्षियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत की विकास यात्रा का एक निर्णायक दौर है, जिसमें आकांक्षाएं नयी ऊंचाइयों को छू



रही हैं। पेरिस के सबसे बड़े इन्डोर सभागारों में से एक 'साल प्लेन' में आयोजित कार्यक्रम में मोदी ने कहा, एक समय था जब देशों के बीच संबंध केवल व्यापार के आधार पर तय होते थे, लेकिन

आज व्यापार के साथ-साथ विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा, हर देश एक विश्वसनीय आपूर्ति शृंखला चाहता है। हर देश एक स्थिर साझेदारी चाहता है। हर देश ऐसे

साझेदारों की तलाश में है जिन पर लंबे समय तक भरोसा किया जा सके। ऐसे समय में भारत दुनिया में विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है।

मोदी ने कहा कि एवियॉन में जी7 की बैठक में उन्होंने भरोसे पर आधारित साझेदारियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत का संदेश साफ था: 'ग्लोबल गवर्नेंस' तभी असरदार होगा जब वह सबको साथ लेकर चलने वाला हो; वैश्विक प्रगति तभी टिकाऊ होगी जब उसका फायदा सबको मिले और तकनीक से मानवता को तभी सही मायने में फायदा होगा जब वह भरोसेमंद हो।



कर्नाटक में सात सीटों पर एमएलसी चुनाव

## कांग्रेस ने पांच और भाजपा ने दो सीट जीतीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

**बैंगलूर।** कर्नाटक में डी के शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली चुनावी लड़ाई में, सत्ताकूट कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को विधान परिषद की सात सीटों में से पांच पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी भाजपा ने दो सीट जीतीं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा और जनता दल (एस) दोनों ही दलों के विधायकों की ओर से 'क्रॉस-

वोटिंग' की गई, क्योंकि कांग्रेस उम्मीदवारों को उम्मीद से ज्यादा वोट मिले। कर्नाटक विधानसभा के सदस्यों ने विधान सभा में हुए चुनाव में मतदान किया। सात सीटों के चुनाव में आठ उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में कांग्रेस के थिप्पन्नप्पा कामकनूर, पी. वी. मोहन, बी. के. हरिप्रसाद (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष), शिवन्ना बी एस, और विनय कार्तिक प्रकाश तथा भाजपा के हिंगराज पाटिल और रघु (एस) और जद (एस) के गोविंदराजू शामिल हैं। कांग्रेस के

पांचों उम्मीदवारों और भाजपा के दोनों उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की जबकि जद(एस) के गोविंदराजू को हार का सामना करना पड़ा। यह चुनाव कराने की इरादिल जरूरत पड़ी क्योंकि विधान परिषद के सात सदस्यों का कार्यकाल 30 जून को समाप्त होने वाला है। इनमें कांग्रेस के नसीर अहमद, टिप्पन्नप्पा और बी. के. हरिप्रसाद, भाजपा के एन. नामराजू (एमटीबी), प्रताप एस. नायक के. और सुनील वल्लयापुर तथा जद (एस) के गोविंदराजू शामिल हैं।

## मानवता को करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

**रायपुर/भाषा।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि भगवान महावीर के विचार मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण और सहस्त्रावधान



तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे विनयकुशल मुनि महाराज को नमन किया। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। बिरला ने कहा कि विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है।

## पूजा-अर्चना



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले स्थित आंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन के दौरान पूजा-अर्चना करती हुईं। इस अवसर पर उन्होंने देश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

## राहुल गांधी ने पेपर लीक के खिलाफ शुरु किया ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेपर लीक, परीक्षाओं में धांधली और महंगी फीस के खिलाफ बृहस्पतिवार को ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की और लोगों से इसके समर्थन का आह्वान किया।

राहुल गांधी इन विषयों को लेकर इन दिनों 'छात्रों की गुंज' मुहिम चला रहे हैं जिसके तहत वह छात्र सम्मेलनों को संबोधित कर रहे हैं। इस तरह का पहला छात्र सम्मेलन बुधवार शाम राजस्थान के

कोटा में हुआ। इसके बाद 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में छात्र सम्मेलन का आयोजन होगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इसी क्रम में अब अपनी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन याधिका पर हस्ताक्षर इस लड़ाई को ताकत देना। जितने ज़्यादा नाम, उतनी बुलंद गुंज।

"अगर अपने पेपर लीक, परीक्षा में धांधली, या महंगी फीस का दर्द झेला है, अगर इस व्यवस्था ने आपके सपने तोड़े हैं, अगर आपके परिवार ने आपकी पढ़ाई के लिए जीवनभर की कमाई लगा दी है तो सुनिए: 'छात्रों की गुंज' आपकी आवाज है।" उन्होंने कहा, "यह सिर्फ एक अभियान नहीं, यह आपकी मांग को सरकार तक पहुंचाने का जरिया है।" राहुल गांधी ने इस याधिका का लिंक साझा करते हुए लोगों से इस पर हस्ताक्षर करने की अपील की। उनका कहना है, "आपका एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को ताकत देगा। जितने ज़्यादा नाम, उतनी बुलंद गुंज।"



## प्राकृतिक खेती एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकती है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

**कानपुर/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्राकृतिक खेती एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकती है, क्योंकि इससे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है।

योगी कानपुर में आयोजित 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया। योगी ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्यों

में बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना और बीमारियों का खतरा घटना शामिल है, जिसमें प्राकृतिक खेती अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण गुर्दे से संबंधित बीमारियां सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि हुई है। योगी ने कहा, 30 साल पहले किडनी रोग के मामले बहुत कम थे। आज हर इलाके में दो या तीन किडनी रोगी मिल सकते हैं। कुछ डायलिसिस पर हैं और कुछ को प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 'लिवर सिरोसिस' के मामलों के अलावा उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गोरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कई लोग गाय

का दूध पीते हैं, लेकिन बाद में गायों को सड़कों पर छोड़ देते हैं। जब ये आवारा पशु, फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं तो वे ही लोग सरकार पर आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा, गाय आधारित प्राकृतिक खेती ना केवल कृषि को मजबूती देती है, बल्कि पशु के कल्याण में भी योगदान करती है।

गोरक्षा को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह इस राज्य का संकल्प और भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का हिस्सा भी है कि गायों को कटने नहीं दिया जाए। उन्होंने कहा, "हम किसी को भी इस देश की सुरक्षा के साथ समझौता करने नहीं देंगे। सनातन धर्म को मानने वालों के लिए गाय पवित्र है और इसे परिवार का सदस्य माना जाता है।"

## अमेरिका, ईरान ने प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

**वॉशिंगटन/एपी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बुधवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत तेहरान अत्यधिक संघर्षित यूरेनियम के अपने भंडार में संवर्धन का स्तर कम करेगा और इसके बदले उसे अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी जिससे ईरान बिना किसी रोक के अपना तेल बेच सकेगा। अमेरिका और ईरान ने यह जानकारी दी।

समझौते की मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों के नेताओं द्वारा हस्ताक्षर करने के बाद युद्ध समाप्त करने संबंधी यह प्रारंभिक समझौता 'तत्काल प्रभाव' से लागू हो

गया है। समझौते में संघर्ष स्थायी रूप से समाप्त करने का आह्वान किया गया है। इसके साथ ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अत्यधिक संघर्षित तक पहुंचने के लिए 60 दिन की वार्ता अवधि शुरू हो गई है। हालांकि, ट्रंप ने घोषणा करने का विकल्प चुना रखा है। ऐसा प्रतीत होता है कि समझौते के तहत ईरान को शुरुआत में ही कई बड़े लाभ दिए गए हैं, जबकि बदले में उससे बहुत कम हासिल किया गया है। यह समझौता कई दिनों से गोपनीयता और भ्रम की स्थिति में धिरा रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने साहानल में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस द्वारा इस समझौते पर डिजिटल हस्ताक्षर किए जाने की

जानकारी देने के बाद भी इसकी शर्तों का खुलासा करने से इनकार कर दिया था। ट्रंप ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ वरसिय महल में रात्रिभोज के दौरान समझौते की कामगजी प्रति पर हस्ताक्षर किए। वरसिय में पहले भी युद्ध या क्षेत्रीय विवाद समाप्त करने वाले कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान की ओर से परस्पर विरोधी जानकारी सामने आने के बाद अब यह स्पष्ट नहीं है कि समारोह होगा या नहीं।



19-06-2026 सुबह 6:47 बजे

20-06-2026 सूर्यास्त 5:54 बजे

BSE 77,409.98 (+254.36) NSE 24,168.00 (+82.30)

सोना 15,395 रु. (24 केर) प्रति ग्राम प्रति किलो

मिशान मंडेला दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केलाशा मण्डेला, नो. 9828233434

कौन दलित है संविधान में सब समान फिर कौन दलित कैसे बोले। इतिहासों के पन्नों को पढ़, ना वर्तमान में विष घोले। समरसता के सद्भावों को, ना राजनीति से अब तोले। आने दो खुली हवाओं को, इन बंद खिड़कियों को खोले।।







दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाजपा सांसद कंगना पर 'आपतिजनक' पोस्ट के लिए सपा विधायक के खिलाफ प्राथमिकी

प्रतापगढ़ (उम्र)/भापा। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ कथित तौर पर आपतिजनक टिप्पणी करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) के एक विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। साइबर पुलिस थाना प्रभारी राजीव कुमार तिवारी ने कहा कि रानीगंज के सपा विधायक राकेश कुमार वर्मा का कथित तौर पर सोशल मीडिया पर रनौत के खिलाफ आपतिजनक टिप्पणी करने का एक वीडियो वायरल हुआ था। उन्होंने बताया कि वीडियो के आधार पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अंशुमान सिंह ने शिकायत देकर आरोप लगाया कि सपा विधायक ने महिला सांसद के खिलाफ अनुचित टिप्पणी की है। पुलिस ने वर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों सहित संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की।



देश भर में जंगलों को बचाने की जरूरत : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भापा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरे भारत में जंगलों को बचाने की जरूरत है। न्यायालय ने कहा कि झारखंड जैसे कुछ राज्यों में प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र हैं जिन्हें सहेजकर रखना आवश्यक है। प्रधान न्यायाधीश सुर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहन की पीठ ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने जेएसपीसीबी की ओर से पेश दलील से कहा, कुछ ही राज्य ऐसे हैं, जहां हम सचमुच प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को बचा सकते हैं और आप (झारखंड) उनमें से एक हैं। उसने कहा कि कुछ राज्यों में जंगल जैसी प्राकृतिक सुंदरता वाली जगहें हैं, जिन्हें बचाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत झारखंड उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने अप्रैल में जंगलों या वन भूमि की सीमाओं के पास पत्थरों के उत्खनन या पत्थर तोड़ने वाली मशीनों स्थापित करने के लिए मंजूरी के सिलसिले में कई दिशा-निर्देश जारी किए थे।

झारखंड: लावारिस कार के अंदर फंसी पांच साल की बच्ची, मौत

चाईबासा/भापा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक खड़ी कार के अंदर फंसी बच्ची के बाद कथित तौर पर दम घुटने से पांच साल की एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार शाम चाईबासा सदर थाना क्षेत्र के तुंगरी में हुई। एसडीपीओ (चाईबासा) बहामन तूती ने भाषा को बताया कि बच्ची, इशानी गोप, तुंगरी रेलवे ओवरब्रिज के पास एक सरकारी स्कूल से अपने चचेरे भाई के साथ घर लौट रही थीं। तभी वह खेल-खेल में लावारिस वाहन के अंदर घुस गईं। तूती ने बताया कि पता नहीं कैसे कार अंदर से बंद हो गई और उसका चचेरा भाई उसे खोल नहीं सका। अधिकारी ने कहा कि संभवतः दम घुटने के कारण बच्ची जल्द ही बेहोश हो गईं। इसके बाद उसे चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि अब तक किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है लेकिन हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच करेंगे।

भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही, 2027 में भारी कीमत चुकाएगी : अखिलेश

लखनऊ/भापा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र में जनता ही असली ताकत है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को 2027 के विधानसभा चुनावों में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सपा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अखिलेश ने लखनऊ में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की जनता सतर्क है और भाजपा का कोई छल, बल और चाल कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा के झूठ और झूट को समझ चुकी है। अखिलेश ने कहा, प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। महिलाएं, बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। कन्नौज, कौशांबी, प्रतापगढ़, गाजीपुर, हाथरस, कानपुर समेत तमाम जिलों में बंधियों की निर्भय हत्याएं हुई हैं। पीड़ितों को न्याय नहीं मिला। भाजपा सरकार में दोषियों को बचाया जाता है और निर्दोषों के साथ अत्याचार होते हैं। भाजपा सरकार ने सपा सरकार में महिला सुरक्षा के लिए बनाई गई 1090 सेवा को निष्क्रिय कर दिया।

कांग्रेस ने अन्य विपक्षी दलों को महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने के लिए उकसाया : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। केंद्रीय मंत्री किरन रीजीजू ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक के पारित नहीं होने को बहुत निराशाजनक बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश की महिलाओं को न्याय जरूर मिलेगा जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार कहा है। संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन बहुत अहम है। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह दूसरे दलों को इस विधेयक का विरोध करने के लिए 'उकसा' रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जो लोग संविधान संशोधन विधेयक का विरोध कर रहे थे, वे 'समझदार' दिखाएंगे और इसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत की संवैधानिक जरूरत होती है और सरकार सभी विपक्षी दलों से इमानदारी से अपील करती है कि वे सरकार के सभी विधेयकों का समर्थन करें। मंत्री ने कहा कि विधेयकों को पारित करने के लिए सभी दलों से

समर्थन मांगना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन इसे कैसे पारित किया जाए और कब पारित किया जाए, इस पर बाद में चर्चा की जाएगी। महिला आरक्षण बिल पर सरकार के आगे के कदम के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा, "मैंने कहा था कि जब महिला आरक्षण विधेयक विफल हो गया था, तो हम बहुत दुखी थे। हमें दुख था कि विधेयक पास नहीं हो सका क्योंकि इसके लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया।

लेकिन प्रधानमंत्री ने कई बार कहा है कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत की महिलाओं को न्याय मिले, क्योंकि यह देश की 50 प्रतिशत आबादी से जुड़ा मामला है। इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियों से अपील करना मेरा कर्तव्य है कि वे सभी विधेयकों का समर्थन करें, क्योंकि ये सभी विधेयक हमारे लिए जरूरी हैं।" यह पूछे जाने पर कि क्या महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा लाने के लिए दूसरी राजनीतिक

पार्टियों के साथ कोई अनौपचारिक बातचीत हुई है, मंत्री ने कहा कि ऐसी किसी अनौपचारिक बातचीत की जरूरत नहीं है क्योंकि सरकार ने उनसे सीधे तौर पर अपील की है। उन्होंने कहा, "जब हम उनसे मिले - उन सभी से - तो कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी थी जिसने विपक्षी पार्टियों को सरकार द्वारा बुलाई गई बातचीत की बैठक में शामिल न होने के लिए उकसाया। हमने समाजवादी पार्टी समेत सभी अहम पार्टियों के साथ बैठक की थी, और असल में हमने जो प्रस्ताव उनके सामने रखा था, उस पर वे काफी हद तक सहमत थे और उन्होंने उसकी तारीफ भी की थी। हमने उन्हें जानकारी दी थी। रीजीजू ने कहा, "लेकिन हो सकता है कि वे कांग्रेस के दबाव में आ गए हों और इसलिए बिल का समर्थन न करने का फैसला किया हो। लेकिन मुझे उम्मीद है कि भविष्य में सभी को समझ आएगी और वे महिला आरक्षण बिल का समर्थन करेंगे।" मोदी सरकार को 17 अप्रैल को एक इंटका लगा था, जब 2029 में विधायिकाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीट की संख्या बढ़ाकर 816 करने वाला संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका।

बड़े पैमाने पर योग दिवस मनाने की हो रही तैयारी, कोलकाता में होगा मुख्य कार्यक्रम : जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

कोलकाता/भापा। आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 बहुत बड़े पैमाने पर मनाने की तैयारी कर रहा है और इसका मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम 21 जून को कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। यहाँ आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जाधव ने कहा कि इस वर्ष की थीम 'योग फॉर हेल्थी एजिंग' बदलती जीवनशैली और उम्रदराज होती आबादी के संदर्भ में योग की बढ़ती उपयोगिता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक स्थिरता और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि भारत की उस राष्ट्रीय उत्सव की शुरुआत है, जिसने दुनिया को संतुलन, शांति और सर्वांगीण कल्याण का एक सशक्त मार्ग दिखाया है।" मंत्री ने कहा कि योग अब भारत की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा होने से कहीं आगे बढ़कर, सेहत और तंदुरुस्ती के लिए एक वैश्विक आंदोलन के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) दुनिया भर में लगभग 1,300 स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जो योग की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाता है। जाधव ने कहा कि आयुष मंत्रालय ने "योग 365" पहल शुरू की है, ताकि लोगों को योग को केवल एक दिन तक सीमित रखने के बजाय, इसे पूरे साल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।



पात्र लाभार्थियों के लिए करीब तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी होने की संभावना: केंद्र

नई दिल्ली/भापा। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से 2.21 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटाए जाने के बाद अब पात्र लोगों के लिए लगभग तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी किए जाने की गुंजाइश है। उन्होंने यहां स्मार्ट भंडारागृह प्रणाली के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हटाने की प्रक्रिया राज्य सरकारों द्वारा उनके अपने मानदंडों के आधार पर की गई है, केंद्र सरकार ने कोई राशन कार्ड नहीं हटाया है। खाद्य मंत्रालय ने मृत व्यक्तियों, आयकरदाताओं और चार पहिया वाहन मालिकों सहित 8.51 करोड़ अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर सूची राज्यों को कार्रवाई के लिए भेजी थी।

आम श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या पहुंचना मुश्किल हुआ : बृजभूषण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

गोंडा/भापा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या में की गई सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या पहुंचना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने राम मंदिर आंदोलन को मजबूत किया, वही आज सबसे ज्यादा उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले बृजभूषण ने भाजपा नेता विनय कटियार के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने आंदोलन से जुड़े लोगों की उपेक्षा का मुद्दा उठाया था। बृजभूषण ने कहा कि यह सवाल पूरी तरह सही है कि मंदिर निर्माण के



बाद सबसे ज्यादा परेशानी उन्हीं लोगों को हुई, जिन्होंने आंदोलन में बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने कहा, राम मंदिर आंदोलन में देवीपाटन, बरती मंडल और अयोध्या से जुड़े लोगों ने धन, जनशक्ति और हर्सश्रम सहयोग दिया था। पहले हजारों श्रद्धालु नियमित रूप से अयोध्या जाकर नागेश्वर नाथ मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन करते थे। कई लोग दर्शन किए बिना पानी तक नहीं पीते थे। बृजभूषण ने दावा किया कि अयोध्या और उसके आसपास

झारखंड में राज्यसभा चुनाव में हुई 'क्रॉस वोटिंग', राजग समर्थित उम्मीदवार को मिली जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

रांची/भापा। झारखंड में बृहस्पतिवार को राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव में एक सीट पर 'क्रॉस-वोटिंग' के बीच राजग समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को हरा दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दूसरी सीट से सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम निर्वाचित हुए। अधिकारी ने बताया कि नाथवानी को 28 वोट मिले, जिसके बाद उन्हें विजेटा घोषित किया गया। झा को 20 वोट हासिल हुए। अधिकारी के अनुसार राम को चुनाव में 30 वोट मिले, जबकि तीन वोट - भाजपा के दो और कांग्रेस का एक अमान्य पाए गए। विधानसभा में भाजपा नीत राजग के विधायकों की संख्या 24 है, जो राज्यसभा की एक सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए 81 सदस्यीय विधानसभा में आवश्यक 28 प्रथम वरीयता मतों से चार कम हैं। झामुमो और कांग्रेस के सत्तारूढ़ 'इंडिया' गठबंधन के सदस्य हैं 56 सदस्य हैं। नाथवानी की जीत के तुरंत बाद



कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उसने झारखंड में विधायकों की खरीद-फरोख्त को बढ़ावा दिया। कांग्रेस की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा, भाजपा ने एक कॉर्पोरेट व्यक्ति को निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा और पैसे के दम पर चुनाव जीता। भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त को बढ़ावा दे रही है। हालांकि हमें खुशी है कि कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट रहे और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। चुनाव में पोलिंग एजेंट रहे झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने

झारखंड: रांची में आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

रांची/भापा। झारखंड के रांची में आरएसएस कार्यालय पर कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को बुधवार देर रात लोहरदगा जिले से पकड़ा गया और उनके द्वारा इस्तेमाल की गई एक कार जब्त कर ली गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने आरोप लगाया था कि बुधवार तड़के नियागपुर इलाके में उसके कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंके गए, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने बताया, इस मामले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को मौके से कांच की बोतलों के टुकड़े बरामद हुए थे। पुलिस के अनुसार, बोतलों में मौजूद सामग्री का पता लगाने के लिए एक कोरॉसिक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। बम निरोधक दस्ते ने आरएसएस कार्यालय का भी दौरा किया। एक अन्य अधिकारी ने कहा, "बोतलों में मौजूद सामग्री के पेट्रोल होने का संदेह है, आईईडी या बम जैसी कोई विस्फोटक वस्तु नहीं मिली।"

ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की 'मित्रता' राष्ट्रीय हितों से ऊपर नहीं हो सकती : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर 'जी-7' शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय हितों को लेकर चुप्पी साधने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी 'मित्रता' को भारत के राष्ट्रीय हितों से ऊपर नहीं रखना चाहिए। पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख सलमान खुर्शीद ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सरकार यह दावें रखें कि द्विपक्षीय संबंध व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि देशों के बीच होते हैं। खुर्शीद ने बयान में कहा, "कांग्रेस को आशा थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन का उपयोग 'ग्लोबल साउथ' में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को दृढ़ता से स्थापित करने तथा भारत की उर्जा संप्रभुता, आर्थिक हितों और गणनीतिक स्वायत्तता का मुखरता से बचाव करने के अवसर के रूप में करेंगे।" उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन ने सरकार के दावों और वास्तविक उपलब्धियों के बीच एक विचित्र अंतर को उजागर किया है। कांग्रेस नेता ने कहा, "राष्ट्रपति



ट्रंप के साथ "घनिष्ठ मित्रता" के दावों के विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी ने तो भारत की उर्जा संप्रभुता की रक्षा करते हुए स्पष्ट और दृढ़ रुख अपना सके और न ही अमेरिकी विदेशी संघदा नियंत्रण कार्यालय (ओएफएस) से प्रतिबंधों में ऐसी छूट हासिल कर सके, जिससे रुख से तेल का आयात जारी रखा जा सकता हो।" उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा 'ऑपरेशन सिंद्ध' के दौरान संघर्षविराम कराने का श्रेय लिए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी का रहस्यमय ढंग से मौन रहना भी गंभीर चिंता का विषय है। खुर्शीद ने दावा किया, "इस मौन की केवल दो ही व्याख्याएं हो सकती हैं। या तो उन्होंने राष्ट्रपति के दावे को मौन स्वीकृति दे दी या फिर सार्वजनिक रूप से उसका खंडन करने की इच्छा नहीं दिखाई। इससे भारत की उस दीर्घकालिक विदेश नीति को भी आघात पहुंचता है, जिसके अनुसार द्विपक्षीय मामलों में किंताजनक अंतर को उजागर किया है। कांग्रेस नेता ने कहा, "राष्ट्रपति

भारत के लिये सर्वाधिक मैच खेलने वाले हॉकी स्टार मनप्रीत सिंह ने फिटनेस को दिया श्रेय, विराट कोहली आदर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। भारत के लिये सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने वाले मनप्रीत सिंह ने इतने लंबे कैरियर का श्रेय फिटनेस को देते हुए कहा कि वह इस मामले में चैम्पियन क्रिकेटर विराट कोहली का अनुसरण करते हैं। मनप्रीत ने बुधवार को एकआईएच लीग में जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप तीर्त्तिका को 412 अंतरराष्ट्रीय



आक्रामक रहते हैं और अपना शत प्रतिशत देते हैं। वह भी मेरी तरह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के प्रशंसक हैं। वह भी काफी ध्यान रखते हैं कि

क्या खाना है और क्या नहीं।" टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को 41 साल बाद कांस्य पदक दिलाने वाले पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के लिये लंबे समय तक खेलने की ललक ने उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा, "भारत के लिये खेलते रहने की ललक ने मुझे फिटनेस बनाये रखने के लिये प्रेरित किया। विश्व स्तरीय हॉकी में फिट रहना बहुत जरूरी है और उम्र के साथ मैंने बहुत अधिक ध्यान देना शुरू किया है।" उन्होंने यह भी कहा कि उनकी खासियत विश्व कप में पदक और ओलंपिक स्वर्ण

जीतने की है। उन्होंने कहा, "मेरा सपना ओलंपिक स्वर्ण और विश्व कप में पदक जीतना है। मुझे पता है कि युवाओं से प्रशिक्षण के लिये फिट रहना जरूरी है। मेरा परिवार मुझे हमेशा इसके लिये प्रेरित करता है।" मनप्रीत ने अगले लक्ष्य के बारे में कहा, "मैं लांस एंजिलिस ओलंपिक खेलना चाहता हूँ लेकिन उसके लिये फिट रहना होगा। मैं इस पर मेहनत कर रहा हूँ। एशियाई खेलों के बाद अपनी फिटनेस का आकलन करूंगा और लगता है कि पूरी तरह फिट नहीं हूँ तो फैसला लूंगा।"

कमर की चोट के साथ विश्व चैम्पियनशिप खेलना सही फैसला नहीं था : नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

दोहा/भापा। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग के जरिये सत्र की शुरुआत से पहले स्वीकार किया कि पिछले साल कमर की चोट के साथ विश्व चैम्पियनशिप में उतरने का फैसला सही नहीं था। टोक्यो ओलंपिक चैम्पियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता चोपड़ा सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप में 84.03 मीटर के श्रे के साथ निराशाजनक आठवें स्थान पर रहे। चैम्पियनशिप के बाद उन्होंने

मुझे नहीं लगता कि यह सही फैसला था क्योंकि मुझे पता था कि कुछ विकृत है। लेकिन वह 2025 की आखिरी प्रतियोगिता था तो मैंने खेलने का फैसला किया। उन्होंने कहा, "एक खिलाड़ी के जीवन में अगर कोई एक चोट है और हम बचाने की कोशिश करते हैं तो दूसरी चोट महसूस होने लगती है। मेरे टखने में, फिर कंधे में विकृत थी। मैंने अपनी टीम और फिजियो के साथ मिलकर हर चोट पर काम किया।" चोपड़ा ने कहा, "अब मैं फिट महसूस कर रहा हूँ। देखते हैं कि कल कैसा रहता है।" दोहा में ही उन्हाई उज्ज्वल चोपड़ा जान जेलेन्की के कोच रहते 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था।



## सुविचार



पेड़ की शाखा पर बैठा पंखी कमी डाली टूटने से नहीं डरता, क्योंकि उसका गरोसा डाली पर नहीं, अपने पंखों पर होता है।

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## ट्रंप का वचन, नया धोखा या भ्रम?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस के एवियन शहर में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के दौरान जो टिप्पणियाँ कीं, उन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। उनके ये शब्द क्या संकेत देते हैं— 'भारत और अमेरिका के बीच कोई रक्षा समझौता नहीं है, लेकिन अगर भारत पर कोई हमला होता है तो मदद के लिए अमेरिका मौजूद रहेगा'? कुछ लोग इसे भारत के साथ अमेरिका की मजबूत साझेदारी से जोड़कर देख रहे हैं। हमें इसके दूसरे पक्ष को भी देखना चाहिए। प्रायः डोनाल्ड ट्रंप जैसे बयान देते हैं, उसके बिल्कुल विपरीत काम करते हैं। एक राष्ट्रपति के शब्दों में गंभीरता, दृढ़ता और विश्वसनीयता होनी चाहिए। ट्रंप इन विशेषताओं से कोसों दूर रहते हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में उनका बर्ताव एक ऐसे जिद्दी बड़े जैसा है, जिसे मनचाही चीज चाहिए, तुरंत चाहिए, अगर न मिले तो वह तोड़फोड़ मचा देता है और जरूरत पड़ने पर खुलकर झूठ बोलता है। आखिर ट्रंप को भारत की रक्षा की इतनी फिक्र क्यों होने लगी? क्या वे भारत के कोई बड़े हितैषी हो गए हैं? वैसे, ट्रंप को भारत के रक्षा संबंधी मामलों की फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं है। इसके लिए भारत सरकार है, मजबूत सशस्त्र बल है और करोड़ों देशभक्त नागरिक हैं। जिस तरह कोई दुश्मन इस भारत भूमि पर हमले का दुस्साहस करेगा, उसे करारा जवाब मिलेगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' में क्या हुआ था? भारतीय मिसाइलों ने पीओके और पाकिस्तान में सौ से ज्यादा खूंखार आतंकवादियों को उनके ठिकानों समेत मिट्टी में मिला दिया था। भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोनों को खिलौनों की तरह धराशायी कर दिया था। इसलिए ट्रंप भारत की रक्षा को लेकर बेफिक्र रहे। यह काम हम समस्त देशवासी भलीभांति कर लेंगे।

ट्रंप एक काम जरूर करें। अपने 'आतंकवादी मित्र' पाकिस्तान की मदद बंद करें। उसके प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख की शान में झूठी वाहवाही न करें। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान पर जोरदार प्रहार हो रहे थे, तब ट्रंप क्या कर रहे थे? वे पाकिस्तान की हिमायत करने में व्यस्त थे। जिन आतंकवादियों ने पहलगाम में भारतीय नागरिकों की हत्या की थी, क्या ट्रंप ने उन्हें दंडित करने के संबंध में आज तक एक भी शब्द कहा? उन्होंने तो नोबेल शांति पुरस्कार की रट लगा ली थी, जिसके लिए अनगिनत बार झूठ बोले। हाल में जहाजों पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीयों की मौत हुई, लेकिन ट्रंप ने क्या कहा? यही कि 'यह बहुत संवेदनशील है और हम इन लोगों से प्यार करते हैं और इस पर जरूर साथ काम करेंगे।' क्या एक राष्ट्रपति का यह बयान होना चाहिए? ट्रंप एक आत्ममग्न व्यक्ति हैं, जो पुराने झूठ को बार-बार दोहराने में अपनी महानता समझते हैं। आज वे किसके साथ खड़े हैं? हम जानते हैं कि वे उन हथियारों के साथ खड़े हैं, जिनके हाथ बेकसूर हिंदुस्तानियों के खून से रंगे हुए हैं। जब ऐसा व्यक्ति यह कहता है कि 'अगर भारत पर कोई हमला होता है तो मदद के लिए अमेरिका मौजूद रहेगा', तो उस पर बिल्कुल विश्वास नहीं करना चाहिए। क्या ट्रंप के पास ऐसी कोई गुप्त सूचना है कि भारत पर हमला होगा? कहीं वे ऐसे तत्त्वों की कोई मदद तो नहीं कर रहे हैं, जो भारत पर हमला करने के लिए षड्यंत्र रचते हैं? हमारे देश के लिए इन खतरों का सामना कोई नहीं बात नहीं है। पाकिस्तान और चीन हमारे साथ खुली दुश्मनी रखते हैं। हाल के वर्षों में बांग्लादेश और मालदीव जैसे देश भी आँखें दिखाने लगे हैं। नक्सलवाद दम तोड़ चुका है, लेकिन उग्रवाद के किसी नए स्वरूप से इंकार नहीं किया जा सकता है। भारत को बहुत सावधान रहना चाहिए।

## ट्वीटर टॉक

कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज में 5 पोस्टपार्टम महिलाओं की मौत का कारण, जो जांच रिपोर्ट में सीधे तौर पर 'इलाज में लापरवाही' के तौर पर सामने आया है, बहुत गंभीर, परेशान करने वाला और माफ़ करने लायक नहीं है।

-अशोक गहलोत

चमक उठी सन सत्तायन में, वो तलवार पुरानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी। अदम्य साहस और स्वाभिमान की प्रतीक, मातृभूमि की रक्षा हेतु सर्वसुर न्यौछावर कर देने वाली महान वीरगंगा रानी लक्ष्मीबाई जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

-वासुदेव देवनागी

आज पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ एक मीटिंग हुई, जिसमें बजट घोषणाओं और उन्हें टाइम पर पूरा करने पर डिस्टेल में रिव्यू किया गया। मीटिंग में राज्य के ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़े कामों को तेजी से पूरा करने पर चर्चा हुई।

-दिया कुमारी

## प्रेरक प्रसंग

## धैर्य से सफलता

प्रसिद्ध इतिहासकार थॉमस काराल्ड कर्डि वर्षों से दी फ्रेंच रेवोल्यूशन नामक पुस्तक लिख रहे थे। वर्षों की मेहनत के बाद उन्होंने उसका पहला मसौदा तैयार किया और अपने मित्र को पढ़ने के लिए दे दिया। कुछ दिनों बाद मित्र ने दुखी होकर बताया कि फिर की नौकरानी ने उन कागजों को बेकार समझ कर अधिकांश पांडुलिपि जला दी है। यह सुनकर काराल्ड टूट गए। वर्षों की मेहनत राख हो चुकी थी। कई दिनों तक वे निराश रहे। एक दिन टहलते समय उनकी नजर एक मजदूर पर पड़ी जो धैर्यपूर्वक एक-एक ईंट जोड़कर दीवार बना रहा था। अचानक काराल्ड के मन में विचार आया, 'यह दीवार भी एक-एक ईंट से बनी है। मेरी पुस्तक भी एक-एक पृष्ठ लिखकर तैयार हुई थी। यदि मैं इसे एक बार लिख सकता हूँ, तो दोबारा भी लिख सकता हूँ।' वे तुरंत घर लौटे और फिर से लिखना शुरू कर दिया। महीनों की मेहनत के बाद पुस्तक पुनः तैयार हुई और प्रकाशित होने पर उसे व्यापक सराहना मिली। उस दिन काराल्ड ने सीखा कि जीवन में सफलता प्रतिभा से नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में दोबारा खड़े होने के साहस से मिलती है।

## महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinsadar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekrant Parashar. ("Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Reg. No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से जुड़ाव है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वणिक्, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उपाचारों की गुणवत्ता के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वार्ता पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकों को पाठक किसी भी रूप में उत्तरादाई नहीं बना सकते। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## आखिरी आदमी की सांसों में बसा कर्मयोद्धा नेता

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भा

रतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहते, वे एक युग का निर्माण करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व ऐसा ही एक युगबोध बनकर उभरा है। जून 2026 में उन्होंने स्वतंत्र भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्यातित प्रधानमंत्री रहने का नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह उपलब्धि केवल दिनों की संख्या का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि उस विश्वास, जनसमर्थन और विकास-यात्रा का प्रतीक है, जिसने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था, शासन-प्रणाली और वैश्विक छवि को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में किसी नेता की वास्तविक सफलता उसके पद की अवधि से नहीं, बल्कि उसके कार्यों के प्रभाव से मापी जाती है। यदि शासन की कसौटी अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, तो मोदी युग का सबसे बड़ा योगदान यही है कि उसने विकास को सरकारी फाइलों और घोषणाओं से निकालकर सामान्य नागरिक के जीवन तक पहुंचाया है। यह वही अवधारणा है जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अत्यंत 'कहा था—समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय। स्वतंत्रता के बाद भारत ने लंबी विकास यात्रा तय की है। जवाहरलाल नेहरू ने नवस्वतंत्र भारत की संस्थागत नींव रखी। लोकतंत्र, वैज्ञानिक चिंतन, सार्वजनिक संस्थाओं, शिक्षा, अनुसंधान तथा औद्योगिक विकास की आधारशिला उन्होंने के समय में रखी गई। किंतु समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि योजनाएं बनाना और उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना दो अलग-अलग चुनौतियाँ हैं। दशकों तक सरकारी योजनाओं और लाभार्थियों के बीच बिचौलियों की एक लंबी श्रृंखला खड़ी रही, जिसके कारण विकास का बड़ा हिस्सा रास्ते में ही समाप्त हो जाता था। वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। आर्थिक सुरती, भ्रष्टाचार के आरोप, अशुभ परियोजनाएँ, प्रशासनिक जड़ता और जनता में घटता विश्वास प्रमुख विचारों थीं। ऐसे समय में उन्होंने शासन की परंपरागत शैली को बदलते हुए तकनीक, पारदर्शिता और जवाबदेही को केंद्र में रखा। यह परिवर्तन केवल नीतियों का नहीं, बल्कि शासन के दर्शन का परिवर्तन था।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण (डीबीटी) प्रणाली का विस्तार है। जनघन खाते, आधार और मोबाइल तकनीक को जोड़कर एक ऐसी व्यवस्था विकसित की गई, जिसने सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना संभव बनाया। इससे न केवल भ्रष्टाचार और रिसाव में कमी आई, बल्कि करोड़ों लोगों को पहली बार यह अनुभव हुआ कि सरकार वास्तव में उनके हित तक पहुंच सकती है। गरीब, किसान, महिला, छात्र, वृद्ध और श्रमिक—सभी वर्गों को इसका लाभ मिला। वित्तीय समावेशन की दिशा में जनघन योजना ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई। जिन परिवारों के पास कभी बैंक खाता नहीं था, वे औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बने। यह केवल



बैंक खाते खोलने की योजना नहीं थी, बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण का एक नया अध्याय था। इसी प्रकार उज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धूप से भरपूर घरों से मुक्ति दिलाई। स्वच्छ इंधन ने उनके स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन किया।

मोदी युग की एक बड़ी पहचान आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार भी है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के क्षेत्र में जिस गति से कार्य हुआ, उसने विकास को नए पंख दिए। आज छोटे शहर भी हवाई संपर्क से जुड़े रहे हैं। गांवों तक सड़कें पहुंच रही हैं। रेलवे का तीव्र आधुनिकीकरण हो रहा है। वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें भारत की तकनीकी क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बन गई हैं। आवास योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए। जिन लोगों ने वर्षों तक कच्ची झोपड़ियों में जीवन बिताया, उनके लिए अपना घर केवल एक भवन नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। इसी प्रकार जल जीवन मिशन ने करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य किया। शौचालय निर्माण अभियान ने स्वच्छता को जनदोलन का रूप दिया। ये परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन स्तर में दिखाई देते हैं।

कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने किसानों के लिए आय के नए अवसर खोले हैं। किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि उर्जादाता के रूप में भी उभर रहे हैं। जैव इंधन, प्राकृतिक खेती, कृषि असंरचना और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के प्रयास किए गए हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उर्जा मिली है। डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। आज भारत का डिजिटल भूताना मॉडल दुनिया के लिए अध्ययन का विषय बन गया है। युनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने आर्थिक लेन-देन को सरल, तेज और पारदर्शी बनाया है। डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल सुविधा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सुशासन का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और प्रशासन-हर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति का प्रभाव दिखाई देता है।

## नजरिया

## समाजवादी पार्टी में टूट! असंभव कुछ भी नहीं

संजय सक्सेना

मोबाइल : 9454105568

चा

र मई 2026 को पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे आने से पहले किसी ने सपने में भी किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि महीने-डेढ़ महीने में तृणमूल कांग्रेस का बुरी तरह से विभाजन हो जायेगा। पश्चिम बंगाल की तेज तर्रार नेत्री और तब की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि उस समय तक एक ऐसी नेत्री की थी जिसे मोदी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन बंगाल की हार ने सब कुछ बदल दिया। आज वह नेता ही उनको आईना दिखा रहे हैं जो कल तक उनके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। इसी तरह से आम आदमी पार्टी के सात सांसद भी बिना किसी शोरगुल और सुगुवाहट के बागी हो गये और भाजपा में चले गये। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्वेग गुट की भी कर्मोवेश यही स्थिति है। उसके छह सांसदों ने अलग राह पकड़ ली है। उद्वेग के लिये शिंदे के बाद यह दूसरा बड़ा झटका है। कुछ बड़े पूर्व महाराष्ट्र ने शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस में भी टूट देखी थी, जब उनके ही भतीजे अजीत पवार ने बगावत करके अलग न केवल अपनी पार्टी बना ली बल्कि महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन सरकार का हिस्सा भी बन गये। यह और बात है कि अजीत पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं और उनकी पत्नी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद वहां की राजनीति में भी बड़ा उद्वेग को मिल रहा है। डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन टूट गया है। बीजेपी की कड़ूर विरोधी डीएमके अब मोदी के करीब नजर आ रहे हैं। इसी तरह से आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड भी मोदी सरकार का हिस्सा बनी हुई हैं। खास बात यह है कि जो भी पार्टियां टूटी हैं उसका अलग हुआ धड़ा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन कर या अलग रहते हुए भी मोदी के करीब आ गया।

अब ताजा चर्चा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी में टूट को लेकर हो रही है। सपा टूटेगी इसकी उम्मीद न के बराबर है, लेकिन अन्य राजनैतिक दलों में जिस तरह से टूट देखने को मिली है उससे सपा में टूट की कुछ खबरों पर लोग विश्वास भी कर रहे हैं। इसकी सुगुवाहट तब शुरू हुई जब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया कि सपा में टूट होने वाली है। राजनीति के कुछ जानकारों की समझ में यह है कि पार्टियों में बगावत कोई नई बात नहीं है। जब किसी पार्टी के नेताओं को लगता है कि उनका नेतृत्व जनता की कसौटी पर खरा नहीं उतर पा रहा है, प्रतिद्वंद्वियों के सामने कमजोर नजर आ रहा है तब अक्सर कई नेता अपनी रियासत बचाने के लिये पाला बदल लेते हैं। टूट की एक और वजह यह भी नजर आती है कि मुलायम कुनबे में आपसी विश्वास काफी कम हो रहा है। वैसे भी अखिलेश यादव के चचा शिवालय



हकीकत यह भी है कि राजनीति में बगावत और दल परिवर्तन के पीछे आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। केंद्र और राज्यों के बीच संसाधन वितरण, योजनाओं की निजी पहुंच और सत्ता में बने रहने के लाभ अनेक नेताओं को नई राह चुनने के लिये प्रेरित करते हैं। स्थानीय नेताओं के लिए व्यक्तिगत वोट बैंक और क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान अक्सर प्राथमिकता बन जाता है, और यदि मौजूदा नेतृत्व उन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता तो विद्रोह का रास्ता खुल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक स्थिरता अब एक अस्थिर अवधारणा बनती जा रही है। चुनावी हार, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और राजनीतिक समझौते मिलकर नए राजनीतिक नक्शे बनाते हैं। इन परिवर्तनों का सबसे बड़ा असर आम जनता पर पड़ता है। वोटों के विश्वास को उस पट्टी में ही जब दल जिन वादों के साथ बनते हैं, वे अचानक ही नजरियों से बदल जाते हैं। क्षेत्रीय मुद्दों और विकास के वादे अगर सत्ता के साथ जुड़कर दब जाते हैं तो स्थानीय जनहित प्रभावित होता है।

यादव एक बार सपा से बगावत करके किनारा करने का कारनामा कर चुके हैं। वैसे अखिलेश यादव के खिलाफ गोमती रिवर फ्रंट और खनन घोटालों में भी जांच चल रही है।

बात उत्तर प्रदेश की राजनीति और खासकर समाजवादी पार्टी में बंटवारे के संदर्भ में है तो सवाल यह है कि क्या सपा भी इसी नियति से बच पाएगी? फिलहाल सपा टूटने की संभावनाओं पर अनेकों का विश्वास कम है, पर घटनाक्रमों ने यह बता दिया है कि किसी भी दल के भीतर आपसी विश्वास की कमी, परिवारवादी राजनीति और स्थानीय नेताओं की असंतुष्टि किसी भी समय दरार पैदा कर सकती है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के दावे ने इसी चर्चा को हवा दी कि सपा में भी यह दरार आ सकती है जो अन्य पार्टियों में देखी गई। राजनीति के जानकार कहते हैं कि बगावत नई बात नहीं; जब किसी पार्टी के नेता महसूस करते हैं कि उनका नेतृत्व जनता के कसौटी पर खरा नहीं उतर रहा, या उनको वैकल्पिक रास्ता नजर आता है, तो वे अक्सर

अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी बचाने के लिये ही नए गजगोड़ बनाना चुन लेते हैं। यह मनोवृत्ति केवल विज्ञापित स्वार्थ नहीं, बल्कि राजनीति की व्यावहारिकता का हिस्सा है।

उधर, मुलायम परिवार के भीतर आपसी भरोसा कम होने की खबरें भी पुराने समय से चली आ रही हैं। परिवारवादी राजनीति में छोटे से विवाद भी बड़े रूप ले सकता है, जैसे पहले शिवपाल यादव ने सपा से किनारा किया था। अखिलेश यादव पर गोमती रिवर फ्रंट माइनिंग घोटाले से जुड़े आरोपों ने भी उनकी छवि को चुनौती दी है। लखनऊ में अखिलेश की लोकप्रियता में पिछले दो वर्षों में गिरावट आई है, विशेषकर शहरी गरीबों और मध्यम वर्ग के बीच जलवायु और शहरी बुनियादी ढांचे की समस्याओं पर उनके नेतृत्व की ज़्यादा प्रभावशीलता नहीं रही। स्थानीय नेताओं का मानना है कि जब जनता के मुद्दे जैसे जल निकासी, सड़क की स्थिति और विद्युत वितरण की समस्यायें सुलझती नहीं, तो नेताओं की नाराजगी बढ़ती है और वे अक्सर पाला बदलने की राह चुनते हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज भारत केवल एक विकासशील राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की क्षमता वाले देश के रूप में देखा जा रहा है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावशाली उपस्थिति, वैश्विक संकटों में संतुलित भूमिका और विकासशील देशों की आवाज बनने का प्रयास भारत की बढ़ती शक्ति को दर्शाता है। इन दिनों के जी-7 शिखर सम्मेलन में सदस्य न होने पर भी मोदी का दबका होना-विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन के नये स्वर दृशाता है। मोदी युग की एक विशेषता यह भी है कि उसने राष्ट्रवाद को विकास से जोड़ा है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का अभियान है। रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान, स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियाँ इसी सोच का परिणाम हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नवप्रवर्तक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास—ये केवल राजनीतिक नारे नहीं, बल्कि शासन के मार्गदर्शक सूत्र के रूप में स्थापित हुए हैं। इनका उद्देश्य विकास को समावेशी बनाना है, ताकि समाज का कोई वर्ग पीछे न रह जाए। यही कारण है कि विकास योजनाओं का केंद्र अब वही व्यक्ति है, जो कभी व्यवस्था के हाथिए पर खड़ा था। निरसंदेह, किसी भी लंबे शासनकाल की तरह मोदी सरकार की नीतियों और निर्णयों पर बहस और आलोचना भी होती रही है। लोकतंत्र में यह स्वाभाविक और आवश्यक है। किंतु यह भी सत्य है कि पिछले बारह वर्षों में शासन की कार्यशैली, विकास की गति और नागरिकों की अपेक्षाओं में एक व्यापक परिवर्तन दिखाई देता है। आज नागरिक केवल वादे नहीं सुनना चाहता, बल्कि परिणाम देखना चाहता है। यही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही है कि उन्होंने शासन को एक जनांदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया है। वे स्वयं को शासक नहीं, बल्कि 'प्रधान सेवक' के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी कार्यशैली में निरंतरता, परिश्रम, लक्ष्य के प्रति समर्पण और राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि वे देश के सबसे लोकप्रिय नेताओं में गिने जाते हैं और विश्व मंच पर भी एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में स्थापित हुए हैं।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प केवल आर्थिक समृद्धि का लक्ष्य नहीं है। यह एक ऐसे भारत की परिकल्पना है जो आत्मनिर्भर, समावेशी, तकनीकी रूप से उन्नत, सांस्कृतिक रूप से आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से संवेदनशील हो। इस दिशा में मोदी युग ने अनेक आधारभूत परिवर्तन किए हैं, जिनका प्रभाव आने वाले दशकों में और अधिक स्पष्ट होगा। आज जब भारत अमृतकाल की यात्रा पर अग्रसर है, तब यह कहा जा सकता है कि नरेंद्र मोदी का योगदान केवल योजनाओं और परियोजनाओं तक सीमित नहीं है। उन्होंने करोड़ों भारतीयों में यह विश्वास जागाया है कि परिवर्तन संभव है, विकास सबका अधिकार है और राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। अत्यंत व्यस्त से विकसित भारत तक की यह यात्रा उसी विश्वास, संकल्प और कर्मयोग की कहानी है, जिसने आधुनिक भारत के निर्माण को नई गति और नई दिशा प्रदान की है।

गौरतलब हो, यूपी में सपा का सामाजिक आधार यादव, कुर्मी और कुछ अल्पसंख्यक समूहों पर टिका है, लेकिन पिछले चुनावों में इस आधार में कुछ गिरावट देखी गई है। सपा के वोटर्स का विश्वास कम हुआ है, जो सपा नेताओं के बीच असंतुष्टि को बढ़ावा दे रहा है। ऐसे में स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं की नाराजगी, प्रदेश स्तर पर लोकप्रियता में गिरावट और कानूनी-नैतिक सवाल मिलकर टूट की संभावनाओं को हवा दे सकते हैं। पर सवाल यह भी है कि क्या सपा जैसा संगठन जो व्यापक सामाजिक आधार और मजबूत क्षेत्रीय संगठनात्मक संरचना रखता है, टूट कर छोटे-छोटे धड़ों में बंट पायेगा? इतिहास बताता है कि बड़े संगठन अक्सर पुनर्गठित होकर ही टिकते हैं, पर यत्न-समय पर उनकी दिशा में बड़े बदलाव आ जाते हैं।

इसके साथ ही हकीकत यह भी है कि राजनीति में बगावत और दल परिवर्तन के पीछे आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। केंद्र और राज्यों के बीच संसाधन वितरण, योजनाओं की निजी पहुंच और सत्ता में बने रहने के लाभ अनेक नेताओं को नई राह चुनने के लिये प्रेरित करते हैं। स्थानीय नेताओं के लिए व्यक्तिगत वोट बैंक और क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान अक्सर प्राथमिकता बन जाता है, और यदि मौजूदा नेतृत्व उन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता तो विद्रोह का रास्ता खुल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक स्थिरता अब एक अस्थिर अवधारणा बनती जा रही है। चुनावी हार, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और राजनीतिक समझौते मिलकर नए राजनीतिक नक्शे बनाते हैं। इन परिवर्तनों का सबसे बड़ा असर आम जनता पर पड़ता है। वोटों के विश्वास को उस पट्टी में ही जब दल जिन वादों के साथ बनते हैं, वे अचानक ही नजरियों से बदल जाते हैं। क्षेत्रीय मुद्दों और विकास के वादे अगर सत्ता के साथ जुड़कर दब जाते हैं तो स्थानीय जनहित प्रभावित होता है।

अंततः यह राजनीतिक परिदृश्य बताता है कि आज का भारतीय लोकतंत्र अधिक गतिशील और कम पूर्वाभ्युत्थ हो चला है। नेताओं की नीतिगत निष्ठा और गठबंधन की राजनीति में लचीलापन, दोनों मिलकर एक ऐसा वातावरण बना देते हैं जहाँ सत्ता और रणनीति का खेल निरंतर चलता रहता है। पश्चिम बंगाल की हार से ममता बनर्जी को जो आईना दिखा है, वह सिर्फ एक नेता की परीक्षा नहीं; यह उस बड़े राजनीतिक बदलाव का प्रतीक है जो देश के कई हिस्सों में धीरे-धीरे आकार ले रहा है। उत्तर प्रदेश और लखनऊ के संदर्भ में, अखिलेश यादव और सपा के परिदृश्य को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि राजनीति में स्थिरता अब पुराना नियम नहीं, बल्कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप नई रणनीतियाँ ही निर्णायक होंगी। सपा में टूट हो या न हो, इस लगातार बदलते चक्र ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि राजनीति में नेतृत्व की जनता की कसौटी पर खरा उतरना, स्थानीय मुद्दों पर प्रभावशीलता और आपसी विश्वास की मजबूती ही दल को टिकने और आगे बढ़ने का रास्ता खोल सकती है।

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

### वैज्ञानिक आंकड़ों से गंगा की स्वच्छता में सुधार का पता चलता है: एनएमसीजी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने बुधवार को कहा कि गंगा साफ हो रही है या नहीं, यह अब सिर्फ राय का मामला नहीं है और वैज्ञानिक निगरानी से अब नदी की स्थिति में सुधार के सबूत उपलब्ध हैं। 'नामामि गंगे' कार्यक्रम के 12 साल पूरे होने पर एनएमसीजी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारे जीवन के अधिकतर समय में, 'ब्या गंगा साफ हो रही है' यह राय का विषय रहा है। इसने कहा, नामामि गंगे के 12 वर्षों ने इसे बदल दिया है। आज, इसका जवाब एक माप है। एनएमसीजी के अनुसार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले 112 स्टेशन संचालित हैं, जो घुलित ऑक्सीजन, जैव-रासायनिक

ऑक्सीजन की मांग, पीएच और 'फीकल कोलीफॉर्म' को मापते हैं। इसने कहा, हर पैमाना हमें बताता है कि कोई नदी जीवित है या मर रही है। इस मिशन में नदी प्रबंधन में प्रौद्योगिकी और डेटा के इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया तथा बताया गया कि 'गंगा नॉलेज पोर्टल' पर 1,380 ज्ञान संसाधन उपलब्ध हैं। पोस्ट में कहा गया, उनसे जो डेटा मिलता है, वह अब किसी फ्राइड में छिपा हुआ नहीं है। 'गंगा नॉलेज पोर्टल' पर 1,380 ज्ञान संसाधन मौजूद हैं, जो इंटरनेट कनेक्शन वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध हैं। लिडार(एलआईडीआर) मैपिंग उपग्रह से ली गई तस्वीरें। एआई आधारित विश्लेषण। नदी को उन्हीं उपकरणों से समझा जा रहा है जिनका इस्तेमाल हम धरती का अध्ययन करने के लिए करते हैं।

### पीट हेगसेथ का नाटो सहयोगियों पर तीखा हमला, यूरोप में अमेरिकी सैन्य बलों की समीक्षा का ऐलान

ब्रसेल्स/एपी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बृहस्पतिवार को नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगी देशों पर तीखा हमला बोला और यूरोप में अमेरिकी सैन्य बलों की छह महीने की घेरे में नई नीति की घोषणा की। हेगसेथ ने संकेत दिया कि यह इस बात पर निर्भर करेगी कि यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी कितनी तेजी से स्वयं उठाते हैं। उन्होंने ब्रसेल्स में अपने नाटो समकक्षों से कहा, यह एक वास्तविक समीक्षा होगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि नाटो तेजी से और अपरिवर्तनीय रूप से उस दिशा में आगे बढ़े, जिसमें यूरोप नेतृत्व करे और यूरोपीय रक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी स्वयं संभाले। हेगसेथ ने ईरान पर

हमले करने के लिए यूरोप में अड्डों तक अमेरिकी बलों को पहुंच प्रदान नहीं करने के लिए यूरोपीय सहयोगियों की तीखी आलोचना की और इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा, इन सहयोगी देशों ने हमारे जवानों की सुरक्षा को जोखिम में डाला है। उन्होंने अमेरिकी सैन्य बलों को सैन्य अड्डों तक पहुंच की सुविधा और हवाई मार्गों से गुजरने की अनुमति नहीं दी, जो कभी भी सवाल के घेरे में नहीं होना चाहिए था। बैठक की शुरुआत में अपने संबोधन में हेगसेथ ने यूरोप की आग्रहण और लैंगिक समानता संबंधी नीतियों की भी तीखी आलोचना की। उनकी टिप्पणियां पिछले साल फरवरी में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के उन बयानों की याद दिलाती हैं, जिनसे

कई यूरोपीय देश नाराज हो गए थे। हेगसेथ ने कहा, टैंकों, लड़ाकू विमानों और वायु रक्षा प्रणालियों पर ध्यान देने के बजाय प्राथमिकता लैंगिक समानता, जलवायु परिवर्तन और रक्षा खर्च में कटौती को दी गई। यूरोप की सीमाएं पूरी तरह खुल गईं, कल्याणकारी योजनाओं का दायरा बढ़ता गया और रक्षा बजट लगातार घटता गया। इसके साथ ही यूरोप का खुद पर और अपनी सभ्यता पर भरोसा भी कमजोर पड़ता गया। हालांकि, हेगसेथ की टिप्पणियां मौजूदा यूरोपीय नीतियों की तस्वीर पूरी तरह पेश नहीं करतीं। रक्षा के मोर्चे पर यूरोपीय सहयोगी देशों और कनाडा ने रक्षा खर्च बढ़ाने तथा अपनी सेनाओं का विस्तार करने के लिए अप्रभूपर्त्य अभियान शुरू किया है।

### प्रदर्शन



मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा का पुतला दिखाकर विरोध प्रदर्शन करती महिला कांग्रेस कार्यकर्ता।

### विकास के अवसरों के जरिए टिकाऊ जनसांख्यिकीय बदलाव हासिल किया गया : भारतीय राजदूत

तेल अवीव/भाषा। भारत ने कहा है कि उसने जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य को अधिकार-आधारित, स्वच्छिक और विकास-उन्मुख दृष्टिकोण के माध्यम से आगे बढ़ाया है। इजराइल में भारत के राजदूत जे पी सिंह ने बुधवार को तेल अवीव यूनिवर्सिटी के अंतरराष्ट्रीय जनसांख्यिकीय रुझान और सार्वजनिक नीति पर आयोजित एक सांस्कृतिक परिचर्चा के दौरान ये बातें कहीं। सिंह ने कहा कि भारत की रणनीति में आबादी को स्थिर करने

के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ-साथ परिवार नियोजन के निजी फैसलों को ध्यान रखा गया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रजनन से जुड़े फैसले पूरी जानकारी और अच्छी गुणवत्ता वाली सेवाओं तक पहुंच के आधार पर लिए जाएं। उन्होंने कहा, इस दृष्टिकोण को स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, महिलाओं के सशक्तिकरण और परिवार नियोजन तक बेहतर पहुंच में निवेश से समर्थन मिला है। सिंह ने कहा, भारत, जहां लगभग 1.4 अरब लोग रहते हैं और जो दुनिया की आबादी का करीब 17 प्रतिशत है, उसने

जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए लोकतांत्रिक रास्ता अपनाया है। राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (2000) का जिक्र करते हुए, भारतीय राजदूत ने इस बात पर जोर दिया कि यह नीति स्वच्छिक और सुविचारित चयन, प्रजनन अधिकारों, मां और बच्चे की सेहत और सामाजिक विकास पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारत का अनुभव यह दिखाता है कि टिकाऊ जनसंख्या बदलाव जबरदस्ती के उपायों के बजाय विकास और बेहतर मौकों के जरिए हासिल किया जाता है।

### प्यार, त्याग और परिवार की अहमियत याद दिलाते वाली फिल्म है 'तेरा मेरा नाता' : दीपिका चिखलिया

मुंबई/एजेन्सी



मशहूर अभिनेत्री दीपिका चिखलिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तेरा मेरा नाता' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं करती बल्कि लोगों को उन रिश्तों की अहमियत भी याद दिलाती है, जो समय के साथ कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। आईएनएस संग बातचीत में दीपिका चिखलिया ने फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि यह कहानी दर्शकों के दिलों को छूने की क्षमता रखती है। आईएनएस से बात करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा, "आज के समय में कहानियां बहुत तेजी से आगे बढ़ती हैं लेकिन कई बार उनमें भावनाओं की गहराई कम हो जाती है। 'तेरा मेरा नाता' ऐसी फिल्म है जो प्यार, त्याग और परिवार जैसे मूल्यों को सामने लाती है।" उन्होंने कहा, "रिश्ते किसी भी इंसान की जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत होते हैं और यह फिल्म इन्हीं रिश्तों की खूबसूरती को दिखाने का प्रयास करती है। फिल्म की कहानी दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ती है और उन्हें अपने परिवार के महत्व का एहसास कराती है। आज जब लोग व्यस्त जीवन में रिश्तों के लिए समय नहीं निकाल पाते, तब ऐसी कहानियां और भी ज्यादा जरूरी हो

जाती हैं।" दीपिका ने 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म के प्रीमियर को लेकर कहा, "कान्स में फिल्म को प्रस्तुत करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात थी। वहां फिल्म को मिली सराहना पूरी टीम के लिए उत्साह बढ़ाने वाली रही। जब किसी भारतीय कहानी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है, तो यह कलाकारों और फिल्म निर्माताओं के लिए गर्व का क्षण होता है। फिल्म को विदेशों में भी लोगों ने काफ़ी प्रेम दिया।" दीपिका ने अपने को-स्टार सुरज कुमार की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "सूरज के साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। उन्होंने अपने किरदार को पूरी

ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाया है। किसी भी फिल्म को मजबूत बनाने में कलाकारों की भावनात्मक जुड़ाव की बड़ी भूमिका होती है और सूरज ने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी फिल्म देखते समय उसी भावनात्मक जुड़ाव को महसूस करेंगे, जैसा पूरी टीम ने फिल्म बनाते समय महसूस किया था।" फिल्म में दीपिका चिखलिया और सुरज कुमार के अलावा अंबिका वाणी, पंकज बेरी, मेघना पंचाल और प्रशा मिश्रा जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। चंदा पटेल और स्वयंरा गायल के निर्देशन में बनी 'तेरा मेरा नाता' 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

### 'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

मुंबई/एजेन्सी



मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उनके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन अभिनेत्री का मानना है कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं। हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उनके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए तमन्ना भाटिया के घर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने तमन्ना के करियर, उनके लोकप्रिय गानों और अभिनय के सफर को लेकर बातचीत की। बातचीत के दौरान जब 'कावाला' गाने का जिक्र आया, तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा, "जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी।" तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, "तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा

अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं।" उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, "तमन्ना उन लोगों में से हैं, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं।" इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजेक्ट के लिए पूरी मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा, "मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूँ, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है।" इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, "इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थीं।" चंदा ही थी कि

गाने के हर स्टेप और हर एक्सप्रेशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करें। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूँ।" बता दें कि 'कावाला' गाने का म्यूजिक संगीतकार अनिरुद्ध रविचंद्र ने तैयार किया था। इसके बोल अरुणराजा कामराज ने लिखे थे, जबकि इसे मशहूर गायिका शिल्पा राव ने गाया था। वहीं, 'स्त्री 2' फिल्म के सुपरहिट गाने 'आज की रात' का म्यूजिक रविचंद्र-जिगर ने कंपोज किया था। इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे थे और इसमें मधुवंती बागची और दिव्या कुमार ने अपनी आवाज दी थी।

### दीया मिर्जा ने जलवायु परिवर्तन पर दिए बयान पर दी सफाई, बोलीं- मेरा निशाना व्यक्ति नहीं, व्यवस्था पर था

मुंबई/एजेन्सी

पर्यावरण संरक्षण के लिए लंबे समय से काम कर रही अभिनेत्री दीया मिर्जा इन दिनों अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट पर बात करते हुए पुरुषों को लेकर एक ऐसी टिप्पणी की, जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। बदले विवाद के बीच अब दीया मिर्जा ने खुलकर अपनी बात रखी और कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से समझा गया, जबकि वह किसी व्यक्ति विशेष को दोषी नहीं ठहरा रही थीं। उनका मकसद उन व्यवस्थाओं की ओर ध्यान दिलाना था। पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब दीया मिर्जा ने सांहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट

हर' में कहा कि पितृसत्ता ही जलवायु परिवर्तन की वजह है। पुरुषों ने ही इसे बढ़ावा दिया है और आज हमारी दुनिया में जो उथल-पुथल मची है और लोग हर जगह ही मुसीबतें झेल रहे हैं, उसके लिए वे पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उनकी आलोचना की और इसे सभी पुरुषों पर आरोप लगाने के रूप में देखा। देखते ही देखते यह मुद्दा चर्चा का विषय बन गया और अभिनेत्री को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। विवाद बढ़ने के बाद दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, "चूंकि इस विषय पर बहुत से लोग चर्चा कर रहे हैं, इसलिए इसे जितना सरल हो सके, उतना स्पष्ट करना जरूरी है। मैं अपने इस



बयान पर कायम हूँ कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था ने जलवायु संकट को जन्म दिया है। जलवायु परिवर्तन को अक्सर केवल पर्यावरण से जुड़ा संकट माना जाता है, लेकिन यह असमानता का भी संकट है। सदियों से पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं ने सत्ता को कुछ हाथों में केंद्रित रखा।

देखभाल और संरक्षण की बजाय संसाधनों के दोहन को प्राथमिकता दी, और प्रकृति को ऐसी चीजों के रूप में देखा जिन्का उपयोग किया जा सकता है, न कि जिन्की रक्षा की जानी चाहिए।" उन्होंने लिखा, "ठीक उसी तरह जैसे पितृसत्तात्मक समाजों में अक्सर महिलाओं और लड़कियों के साथ व्यवहार किया जाता है। जंगलों, नदियों, समुद्रों और पूरे इकोसिस्टम को एक वस्तु की तरह देखा गया। कई बार महिलाओं को भी इसी नजरिए से देखा गया। इस सोच के परिणाम अब इतने स्पष्ट हैं कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।" उन्होंने कहा, "ऑल अबाउट हर के इस एपिसोड में मैंने और आरती कुमार राव ने यह भी समझाया था कि यह शोषणकारी,

संवेदनहीन और नियंत्रण पर आधारित व्यवस्था, जो पूरी तरह पुरुषों के नियंत्रण में रही है, किस तरह ऐसे आर्थिक ढांचे बनाती रही है जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देते हैं। यही शोषण और प्रभुत्व पर आधारित व्यवस्थाएं आज भी प्रकृति संरक्षण और महिलाओं के अधिकारों की आवाज उठाने वालों को कमजोर करने और उनकी बातों को खारिज करने में लगी हुई हैं। दीया मिर्जा ने कहा, "महिलाएं और लड़कियां, खासकर कमजोर और वंचित समुदायों में रहने वाली, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सबसे पहले झेलती हैं। पानी की कमी, भोजन की अत्यल्पता, विस्थापन और आजीविका के नुकसान जैसी समस्याएं सबसे पहले उनके जीवन को प्रभावित करती हैं।"

### 'द इंडिया स्टोरी' रिलीज से पहले फूड सेफ्टी पर काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस

मुंबई/एजेन्सी

देशभर में फूड एडल्टरेशन यानी खाद्य मिलावट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे की ओर सभी का ध्यान खींचा है। हाल ही में अपनी सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए उन्होंने भारतीय आमों के निर्यात पर कीटनाशक अवशेष और क्लारिटीन संबंधी चिंताओं को लेकर सामने आई रिपोर्टर साझा की है। इस मुद्दे को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' से जोड़ते हुए लिखा



है, दुर्भाग्य से यह भारत की कहानी है, 'द इंडिया स्टोरी' है। फिलहाल इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी खाद्य मिलावट जैसे गंभीर विषय और उसके सार्वजनिक स्वास्थ्य पर

पड़ने वाले खतरनाक प्रभावों के इर्द-गिर्द घूमती है। जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ श्रेयस तलपड़े भी अहम भूमिका में नजर आनेवाले हैं। फिल्म का उद्देश्य उस सच्चाई को सामने लाना है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण सागर बी.शिंदे ने संभाली है। 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में

रिलीज होगी। सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय और प्रभावशाली संदेश के साथ यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि एक जरूरी राष्ट्रीय चर्चा की शुरुआत करने का लक्ष्य रखती है। फिल्म के सह-निर्माताओं में स्वाति विनायक सेदाने, अनिता जाधव, विनायक सेदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोसले और प्रेम जोशी शामिल हैं। वहीं तकनीकी टीम में सिनेमेटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

### गुरु रंधावा जिम से जुड़े जिम पर गोलीबारी के मामले में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पश्चिम विहार में पंजाबी गायक गुरु रंधावा से जुड़े एक जिम के बाहर गोलीबारी करने के आरोप में लॉरेंस बिश्रॉई गिरोह से कथित तौर पर संबंधित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक घटना से करीब दो हफ्ते पहले रूस से लौटा था। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा के सोनीपत जिला निवासी अरमान (19) और तुषार उर्फ ताशू उर्फ पिंकू (21) को बहादुरगढ़ में एक तलाशी अभियान के बाद पकड़ा गया। उनके मुताबिक, ये दोनों कथित शूटर लॉरेंस बिश्रॉई गिरोह के सदस्य अनिल पंडित से जुड़े हैं, जिसके बारे में माना जाता है कि वह अमेरिका से अपना गिरोह चला रहा है। पुलिस ने बताया कि 11 जून को सुबह करीब चार बजे पश्चिम विहार में बाहरी रिंग रोड पर एक जिम के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने गोलीबारी की और मौके से भाग गए। इसने कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था और कारतूस के सात खाली खोखे बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार पूर्वी थाने में मामला दर्ज किया गया। इसने कहा कि अनिल पंडित नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से किए गए पोस्ट के वायरल होने के बाद यह घटना चर्चा में आई। इस पोस्ट में लॉरेंस बिश्रॉई गिरोह की ओर से हमले की जिम्मेदारी ली गई। पंडित ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ गायक की कथित नज़दीकियों का भी जिक्र किया। खान को लॉरेंस बिश्रॉई गिरोह गिरोह अपना दुश्मन मानता है। संगठित अपराध की संभावना को देखते हुए अपराध शाखा ने जांच अपने हाथ में ले ली। पुलिस ने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमलावरों के भागने के रास्ते का पता लगाया, तकनीकी सत्यों की जांच की और लगभग 100 किलोमीटर तक उनकी गतिविधियों की पड़ताल की।

### जिंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती, इसलिए खुद को दोष न दें : ईशा कोपिकर



मुंबई/एजेन्सी

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मेकितन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोपिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मानना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोपिकर कहती हैं, "नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में आस बदलाव आ जाते हैं जिनका

असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।" ईशा ने कहा, "कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरकीब हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।" ईशा ने अपने वीडियो में कहा, "कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।" उन्होंने कहा, "हमें अपने ऊपर बेवजह दबाव नहीं डालना चाहिए। जीवन में कोई तय शेड्यूल नहीं होता, और न ही जीवन कभी सीधा चलता है। हमें कभी रुकना पड़ता है, कभी रास्ता बदलना पड़ता है और कभी गिरकर फिर से उठना पड़ता है। यही जीवन का असली अनुभव है और यही हमें मजबूत बनाता है।" उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, "आज इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं।"



## महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी-20 में हुब्ल्ली टाइगर्स के कप्तान बने अनीश्वर गौतम

नए सीजन से पहले हुब्ल्ली फ्रैंचाइजी ने टीम जर्सी और एंथम का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हुब्ल्ली टाइगर्स क्रिकेट टीम फ्रैंचाइजी ने महाराजा ट्रॉफी केएससीए (कनाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन) टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवें संस्करण के लिए खिलाड़ी अनीश्वर गौतम को कप्तान घोषित किया। बेंगलूरु के जाने माने स्टील व्यवसायी जिनदल स्टील के शिबेक, सुशील कुमार जिनदल की स्वामित्व वाली फ्रैंचाइजी 'हुब्ल्ली टाइगर्स' ने आगामी सीजन से पहले गुरुवार को एक होटल में अपनी टीम की जर्सी का अनावरण किया और आधिकारिक हुब्ल्ली टाइगर्स एंथम (विजय गौतम) भी लॉन्च किया। इस कार्यक्रम में केएससीए के उपाध्यक्ष सुजीत सोमसुंदर, कोषाध्यक्ष बीएन मधुकर,

महाराजा ट्रॉफी गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन एमएस केशव, हुब्ल्ली टाइगर्स के मालिक सुशील, अभिषेक शिवेक जिनदल ने जर्सी व गीत का अनावरण किया।

कप्तान चुने जाने के बाद अनीश्वर गौतम ने कहा कि हुब्ल्ली टाइगर्स टीम की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। अब इस टीम की कप्तानी करना बहुत खास लग रहा है। हेड कोच विनय कुमार ने फ्रैंचाइजी के स्पॉर्ट स्ट्रक्चर और टीम के संतुलन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस साल हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बेहतरीन मिश्रण वाली एक शानदार टीम है।

हमने अपना काम कर दिया है, अब खिलाड़ियों को मैदान पर उतरना है, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है और यह प्रतियोगिता जीतने की कोशिश

करनी है। इतिहासिक जिनदल ने सभी का स्वागत किया। हुब्ल्ली टाइगर्स के प्रमुख सुशील कुमार जिनदल ने कहा, यह जर्सी हमारी पहचान है और यह एंथम हमारी आवाज है।

ये दोनों मिलकर उत्तरी कनाटक के गर्व, मजबूती और महत्वाकांक्षा को दर्शाते हैं। वर्ष 2023 में महाराजा ट्रॉफी की चैंपियन रही हमारी हुब्ल्ली टाइगर्स नए सीजन में एक और ट्रॉफी जीतने के इरादे से उतर रही है।

इस बार टीम में अभिनव मनोहर और मयंक अग्रवाल जैसे बड़े नामों के साथ-साथ कनाटक के कई बेहतरीन और उभरते हुए खिलाड़ी शामिल हैं। महाराजा ट्रॉफी टी-20 का पांचवां संस्करण 20 जून से 12 जुलाई तक मैसूरु, हुब्ल्ली और बेंगलूरु में खेला जाएगा, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी।



## सत्य, आत्मा और संतोष में रमण करना स्व-दर्शन है : राष्ट्रसंत श्री कमलगुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलगुनिजी 'कमलेश' ने गुरुवार को प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा ने संसार के प्रत्येक प्राणी को धर्म आराधना एवं उपासना करने का समान अधिकार प्रदान किया है। आगम साहित्य में कहा भी कि सभी जीव को धर्म साधना से वंचित करने की बात नहीं कही गई है। तीर्थंकर परमात्मा भी अभवी जीव को धर्म सुनने और धर्म के मार्ग पर चलने से मना नहीं करते। धर्म का द्वार सभी के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश आज व्यक्ति सिद्धांतों के आधार पर नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के आधार पर 'हो और ना' करता है। जहाँ उसका स्वार्थ होता है, वहाँ वह समर्थन करता है और जहाँ स्वार्थ नहीं होता, वहाँ विरोध खड़ा कर देता है। धर्म का मार्ग इससे भिन्न है। धर्म हमें भावों का सम्मान करना सिखाता है। उन्होंने स्व-दर्शन और पर-

दर्शन की व्याख्या करते हुए कहा कि सत्य, आत्मा और संतोष में रमण करना स्व-दर्शन है, जबकि असत्य, इन्द्रिय विषयों और लोभ में रमण करना पर-दर्शन है। आत्मा की ओर उन्मुख होना ही धर्म की वास्तविक साधना है। सत श्री ने कहा कि जैन दर्शन सत्य का पुजारी है। वस्तु, स्थान अथवा व्यक्ति में मिथ्यात्व नहीं होता, बल्कि मिथ्यात्व हमारी दृष्टि में होता है। सम्यक दृष्टि वही है जो गुणों को देखने और ग्रहण करने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि जहाँ प्रेम है वहाँ सम्यकत्व है और जहाँ नफरत है वहाँ मिथ्यात्व है। प्रेम जोड़ता है, जबकि नफरत दूरियाँ बढ़ाती है। इसलिए जीवन में गुणों के अनुरागी बनना चाहिए जो दृष्टि गुणों की ओर जाती है वही सम्यक दृष्टि है। अंत में उन्होंने कहा कि धर्म का सार प्रेम, सम्यक दृष्टि, गुणानुराग और अनुमोदना में निहित है। जो व्यक्ति गुणों को अपनाता है और दूसरों के सवकार्यों की अनुमोदना करता है, वही वास्तविक अर्थों में धर्म के मार्ग पर अग्रसर होता है।



## जीतो नेशनल स्पोर्ट्स मीट-2026 के लिए बेंगलूरु से 82 खिलाड़ियों का हुआ चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) द्वारा चेन्नई में 20 जून से आयोजित होने वाली तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता (जीतो नेशनल स्पोर्ट्स मीट 2026) के लिए बेंगलूरु से 82 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। ये खिलाड़ी बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, शतरंज, स्विमिंग तथा विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का

प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों का चयन बेंगलूरु में आयोजित विशेष चयन एवं प्रशिक्षण शिविर में हुआ जिसमें लगभग 180 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, स्पोर्ट्स संयोजक शेखर चानोदिया, सहसंयोजक प्रीतेश जैन सहित जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, महामंत्री नितिन लुनिया, स्पोर्ट्स संयोजक चेतन बोहरा तथा सहसंयोजक श्रेयांश राखेचा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। गुरुवार को बेंगलूरु से 82

खिलाड़ियों का दल जीतो नॉर्थ एवं साउथ की खेल समिति के पदाधिकारियों, कार्यक्रम संयोजकों एवं सह-संयोजकों के साथ चेन्नई के लिए रवाना हो रहा है।

इस दल में नॉर्थ संयोजक शेखर चानोदिया सहसंयोजक प्रीतेश जैन, साउथ संयोजक चेतन बोहरा, सहसंयोजक श्रेयांश राखेचा, दीपक जैन, अमित जैन एवं दिव्या सहित अन्य पदाधिकारी भी शामिल होंगे। राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में देशभर से 500 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेंगे।



## मंजूनाथनगर जैन भवन में आयुर्वेदिक लेप शिविर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर क्षेत्र के जैन भवन में मेगा आयुर्वेदिक लेप शिविर का

आयोजन सकल जैन संघ, मंजूनाथनगर-शिवनगर के तत्वावधान में संघी उत्तमचंद्र पुष्पादेवी आच्छा परिवार के सौजन्य से आयोजित हुआ। शिविर में जोधपुर से आए आयुर्वेदिक वैद्य लक्ष्मीचन्द्र पारख

ने इस शिविर में लेप चिकित्सा के माध्यम से अनेक लोगों का इलाज किया। शुक्रवार तक चलने वाले इस शिविर में संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद्र आच्छा, मंत्री राकेश दलाल सहित अन्य पदाधिकारी सेवाएं प्रदान कर रहे।



## तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु की नवगठित कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को साध्वी श्री पावनप्रभा जी के सान्निध्य में पुष्कर जैन आराधना केंद्र में आयोजित हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत करते हुए पिछले वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष पवन मंडोले एवं राष्ट्रीय संघटन मंत्री रोहित कोठारी ने नवगठित टीम को शुभकामनाएँ देते हुए परिषद के सशक्तिकरण करने पर जोर दिया। नए अध्यक्ष विनोद कोठारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष कोठारी ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त

करते हुए परिषद को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया। साध्वी श्री पावनप्रभाजी ने तैयुप सदस्यों द्वारा की गई रास्ते की सेवा की प्रशंसा करते हुए उसे और विस्तार देने का आह्वान किया। धार्मिक कार्यों में युवकों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर परिषद द्वारा आयोजित किए जाने वाले 'योगा से होगा-3.0' का बैनर अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप चोपड़ा ने किया।

## मानव में मानवता का भाव होना जरूरी : साध्वी श्री सुमंगला स्वाध्यायी प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शूले स्थानक में विराजित युवाचार्य श्री मधुकर मुनि की शिष्या साध्वी श्री सुमंगलाजी ने गुरुवार को दैनिक प्रवचन में मानव जीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव में मानवता का भाव होना जरूरी है।

इस जीव को मनुष्य जीवन बहुत मुश्किल से मिलता है, हमें मानव जीवन का सदुपयोग करते हुए उसे सांत्वित करना चाहिए। इस जीवन काल में यदि अच्छे कार्य किए जाएं तो उनका फल भी अच्छा ही मिलता है, इसलिए व्यक्ति को हमेशा सकार्यों में भाग लेना चाहिए। प्रवचन के पहले कर्नाटक जैन

स्वाध्यायी संघ द्वारा आयोजित दस दिवसीय धार्मिक कार्यशाला के समापन समारोह पर स्वाध्यायी नवरत्नमल भंसाली ने प्रतिभागियों की लिखित परीक्षा ली। परीक्षा उपरान्त प्रतिभागियों ने प्रत्याख्यान की महत्ता और उपयोगिता पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। श्रीरामपुरम, जयनगर एवं शूले इन तीनों क्षेत्रों में भगवान महावीर की अंतिम वाणी उत्तराध्ययन सूत्र आधारित सम्यकत्व पराक्रम के सूत्रों का प्रशिक्षण दिया गया। विशेष रूप से साधना के क्षेत्र में त्याग एवं स्वावलंबी जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अंतिम सत्र में समीक्षा एवं मूल्यांकन पत्र रखा गया। उपस्थित सदस्यों ने सूत्र आधारित प्रस्तुति दी और अपने अनुभव साझा करते हुए सुझाव दिए।



## प्रेक्षा फाउंडेशन का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में गुरुवार को मागडी रोड स्थित पुष्कर भवन में साध्वी श्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका नीता सेठिया ने योगासन के कुछ अभ्यास करवाए। तदुपरान्त प्रेक्षा प्रशिक्षक वीणा बेद ने प्रेक्षा



योग के महत्व के बारे में बताते और हुए उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को इसे अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

प्रेक्षा वाहिनी संयोजिका पुष्पा गन्ना ने धन्यवाद दिया। संचालन प्रेक्षा प्रशिक्षक चरसिंह मालू ने किया। कार्यक्रम में बेंगलूरु सभा, तेरापंथ युवक परिषद के पदाधिकारियों सहित ईटा गार्डन अपार्टमेंट के श्रावक श्राविकाओं तथा अन्य क्षेत्रों से सदस्यों की अच्छी उपस्थिति थी।

## निष्कासित भाजपा विधायकों ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद की सात सीटों के लिए गुरुवार को मतदान के दौरान कांग्रेस वोटिंग की अटकलों के बीच भाजपा से निष्कासित विधायक एस.टी. सोमशेखर और शिवराम हेब्बार ने खुलकर कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोटों का समर्थन मांगने के लिए औपचारिक संपर्क तक नहीं किया। बेंगलूरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए एस.टी. सोमशेखर ने कहा कि उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस के पक्ष में वोट दिया है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्होंने तय नहीं किया था कि किस उम्मीदवार का समर्थन करेंगे, लेकिन उनके अनुसार जो दल संपर्क करता है, उसी पर विचार किया जाता है। सोमशेखर ने कहा कि न तो भाजपा और न ही जेडी(एस) ने उनसे समर्थन मांगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने उन्हें फोन कर बैठक में बुलाया और क्षेत्र के विकास के लिए सहयोग का आवासन दिया। इसी भरोसे के आधार पर उन्होंने अंतरात्मा की आवाज पर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा उनकी तरह के नेताओं के समर्थन से सत्ता में आई थी और अब उन्हें विश्वास है कि कांग्रेस सरकार उनके क्षेत्र के विकास के लिए चरणबद्ध तरीके से काम करेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के सभी पांच उम्मीदवार जीत दर्ज करेंगे। दूसरी ओर, निष्कासित भाजपा विधायक शिवराम हेब्बार ने भी कहा कि

## कर्नाटक विधान परिषद चुनाव



उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा अपने निर्वाचन क्षेत्र का विकास है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेताओं के साथ विकास संबंधी मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई, जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवारों के समर्थन में मतदान किया। हेब्बार ने कहा कि भाजपा ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया, लेकिन विधान परिषद चुनाव में समर्थन मांगने के लिए कम से कम औपचारिक बातचीत की उम्मीद थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य जेडी(एस) उम्मीदवार को हराना था, इसलिए पार्टी ने नैतृत्व ने उनसे संपर्क नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों ने उनसे समर्थन मांगा

और उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। वहीं, उद्योग मंत्री एम.पी. पाटिल ने कांग्रेस में कांग्रेस वोटिंग की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और सभी विधायक तय रणनीति के अनुसार मतदान करेंगे। उन्होंने दावा किया कि यदि कहीं कांग्रेस वोटिंग के संभावना है तो वह भाजपा या जेडी(एस) खेमे में है। भाजपा विधायक अरविंद बेल्द ने विश्वास जताया कि पार्टी के सभी उम्मीदवार जीतेंगे। उन्होंने माना कि एस.टी. सोमशेखर और शिवराम हेब्बार के वोट कांग्रेस को जा सकता है, लेकिन बाकी सभी भाजपा विधायक पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान

करेंगे। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार लिंगराज पाटिल और रघु कौटिल्य की जीत का भी भरोसा जताया। जेडी(एस) के एनडीए समर्थित उम्मीदवार के. गोविंदराजू की संभावनाओं पर बेल्द ने कहा कि वोटों की कमी जरूर है, लेकिन उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। कांग्रेस विधायक कोनारेंडी ने भी दावा किया कि पार्टी के सभी पांच उम्मीदवार जीतेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक उम्मीदवार को लगभग 28 से 29 वोट आदिट किए गए हैं और सभी विधायक तय योजना के तहत मतदान करेंगे। उनके अनुसार अन्य दलों के कुछ उम्मीदवारों का समर्थन भी कांग्रेस को मिलने की संभावना है।

भाजपा विधायक एस.आर. विश्वनाथ ने दावा किया कि एनडीए के तीनों उम्मीदवार जीतेंगे और भाजपा में किसी तरह की क्रांस वोटिंग नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अंततः कांग्रेस के भीतर है, जहां मंत्रिमंडल विस्तार और गुटबाजी के मुद्दे मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि तीसरे एनडीए उम्मीदवार के लिए तीन वोटों की कमी है, जबकि कांग्रेस को अपने पांचवें उम्मीदवार की जीत के लिए पांच अतिरिक्त वोटों की जरूरत है।

कांग्रेस विधायक और कांग्रेस विधायक दल के सचिव अजामप्रभु पाटिल ने कहा कि सभी विधायक पार्टी हाईकमान की रणनीति के अनुसार मतदान करेंगे। पूर्व मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने खरीद-फरोख्त के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास लगभग 140 वोट हैं, जो पांचों उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के पास पर्याप्त द्वितीय वरीयता मत भी हैं और कांग्रेस में किसी तरह की क्रांस वोटिंग नहीं होगी।



### स्वास्थ्य जानकारी

बेंगलूरु में गुरुवार को मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सदाशिवनगर स्थित उपमुख्यमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के आवास पर जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर गृह मंत्री प्रियांक खरो भी उपस्थित थे। परमेश्वर बुखार से पीड़ित हैं और पिछले एक सप्ताह से घर पर ही उनका इलाज और आराम चल रहा है।

## 'राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह-2026' कर्नाटक में 26 से

बेंगलूरु। राज्य भर में ऊर्जा विभाग के विद्युत वेधशाला द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह-2026 कार्यक्रम 26 जून से 2 जुलाई तक चलेगा। इस जागरूकता सप्ताह का आधिकारिक उद्घाटन समारोह 26 जून को सुबह 10.30 बजे बेंगलूरु के कम्बन पार्क स्थित 'कर्नाटक राज्य सरकारी कर्मचारी संघ' के हॉल में आयोजित किया जाएगा। कर्नाटक सरकार के ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

## भुवनेश्वर-यशवंतपुर स्पेशल ट्रेन की समय-सीमा बढ़ाई गई

बेंगलूरु। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, ईस्ट कोस्ट रेलवे ने ट्रेन नंबर 02811/02812 भुवनेश्वर-यशवंतपुर-भुवनेश्वर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन की समय-सीमा बढ़ाने की घोषणा की है। ट्रेन नंबर 02811 भुवनेश्वर-यशवंतपुर साप्ताहिक समर स्पेशल, जो शनिवार को चलती है और पहले 27 जून तक चलने वाली थी, अब 4 जुलाई से 29 अगस्त तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02812 यशवंतपुर-भुवनेश्वर साप्ताहिक एक्सप्रेस, जो सोमवार को चलती है और पहले 29 जून तक चलने वाली थी, अब 6 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगी। इन ट्रेनों के समय, स्टॉपिंग और कोच की संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। ज्ञात रहे केएसआर बेंगलूरु यार्ड में नॉन-इंटरलाकिंग (एनआई) काम के कारण, 29 अगस्त को भुवनेश्वर से चलने वाली ट्रेन नंबर 02811 भुवनेश्वर-यशवंतपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को यलहंका पर ही रोक दिया जाएगा (शॉर्ट-टर्मिनेट किया जाएगा) और 31 अगस्त को यशवंतपुर से चलने वाली ट्रेन नंबर 02812 यशवंतपुर-भुवनेश्वर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन यशवंतपुर के बजाय यलहंका से शुरू होगी (शॉर्ट-ऑरिजिनेट होगी)। नतीजतन, दोनों ट्रेनें संबंधित तारीखों पर यशवंतपुर और यलहंका के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी।